अध्याय-9

बिहार दर्शन - 1

मध्य विद्यालय में पढ़ने वाली रेशमा बहुत खुश थी। उसकी कक्षा 6 के सभी छात्रा अपने वर्ग शिक्षक के साथ बोधगया, राजगीर, नालंदा और पावापुरी के ऐतिहासिक स्थलों को देखने जा रहे थे। शिक्षक ने बच्चों को अपने साथ कलम, डायरी, पानी की बोतलें रखकर सुबह 6 बजे विद्यालय परिसर में बुलाया था। वहीं से बस खुलने वाली थी।

अगले दिन सभी बच्चे नियत समय पर विद्यालय पहुँचे। वे बस द्वारा सबसे पहले 'बोधगया' पहुँचे। बच्चों ने पहले महाबोधि मंदिर देखा। इस मंदिर को विश्व धरोहरों में गिना जाता है। इस मंदिर में ध्यानरत बुद्ध की प्रतिमा के दर्शन के बाद सबने मंदिर के पीछे स्थित बोधिवृक्ष को देखा। इसी वृक्ष के नीचे गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ था तत्पश्चात वे 'गौतम बुद्ध' कहलाने लगे।

चित्र 9.1 महाबोधि मंदिर (बोधगया)

बोधिवृक्ष के नीचे बैठकर कई बौद्ध भिक्षु भगवान बुद्ध

की आराधना कर रहे थे। इस मंदिर के बगल में स्थित **'मुचलिंद सरोवर'** में बच्चों ने मछलियों को दाना खिलाया। सरोवर में मछलियाँ भरी पड़ी थीं। इतनी सारी मछलियों को देखकर बच्चों के आनंद की सीमा नहीं रही। मंदिर के इर्द–गिर्द कई देशों ने भगवान बुद्ध की मंदिरें बनवा रखी हैं। बच्चों ने इनको भी देखा और महत्वपूर्ण बातों को नोट किया। बच्चे बस में पुनः सवार हुए और वहाँ से चलकर गया शहर के चाँदचौरा क्षेत्र में पहुँचे।

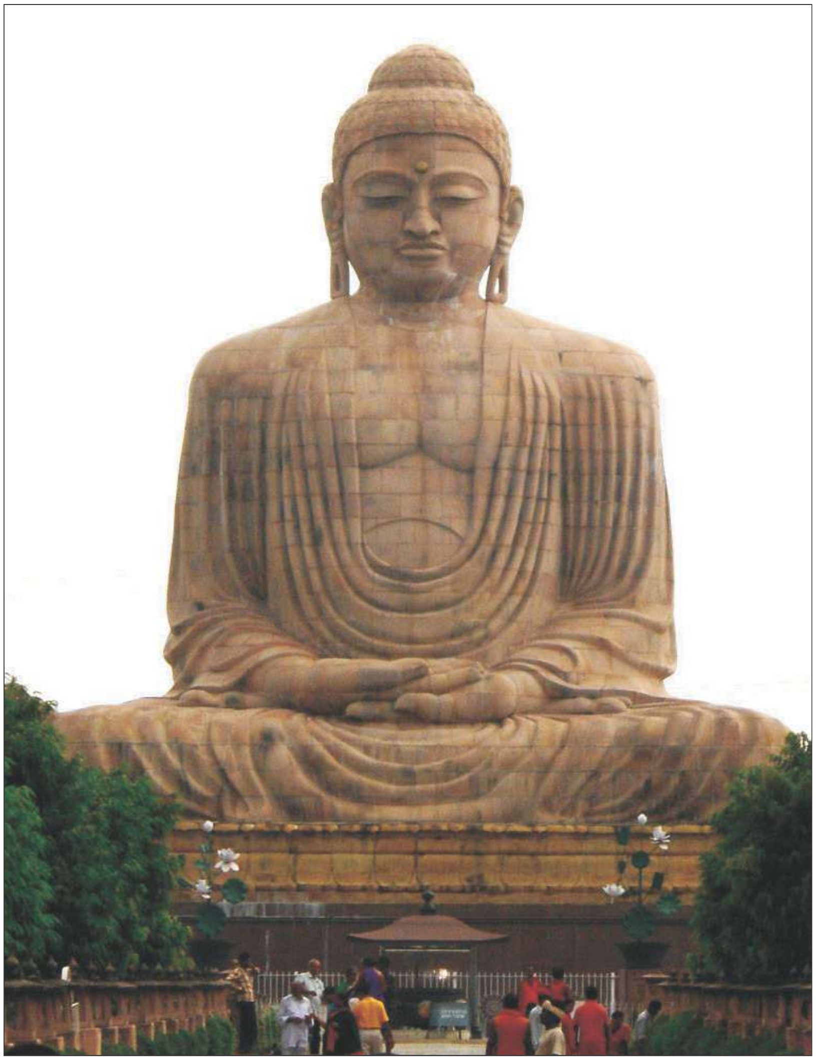

चित्र 9.2 ध्यानरत महात्मा बुद्ध

वहां से बच्चे फल्गू नदी के तट पर स्थित 'विष्णुपद' मंदिर देखने पहुंचे। यहां भगवान विष्णु के पद्चिह्न हैं। इस मंदिर को काले पत्थरों से रानी अहिल्याबाई ने बनवाया था। वहां के पुजारियों ने बताया कि प्रतिवर्ष आश्विन महीने के कृष्णपक्ष में यहां पितृपक्ष का मेला पन्द्रह दिनों के लिए लगता है। देश के कोने–कोने से आकर लोग अपने पूर्वजों के मोक्ष प्राप्ति हेतु यहाँ पिंडदान करते हैं। विष्णुपद से सभी बच्चे दोपहर 12 बजे के आस–पास राजगीर पहुंचे। राजगीर के गर्म जलकुंड में हाथ–पांव धोने से बच्चों की थकान मिट गई।

चित्र 9.3 शांतिस्तूप (राजगीर)

सबने खाना खाया। इसी क्रम में शिक्षक ने बताया कि राजगीर चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इन पहाड़ियों में गंधक है इसलिए यहां से गर्म पानी का स्राव होता है। बच्चों ने मनियारमठ, जरासंध का अखाड़ा देखा तथा शांति स्तूप देखने रज्जू मार्ग द्वारा (रोप–वे) पहाड़ी की ओर चल पड़े।

यह शांति स्तूप पहाड़ी पर स्थित सफेद गुम्बदाकार स्तूप है जिसके चारों दिशाओं में महात्मा बुद्ध की चार प्रतिमाएं अलग–अलग मुद्राओं में लगी हैं। पहाड़ी पर पहुँचने के लिए रज्जूमार्ग की सुविधा उपलब्ध है। पहाड़ी के शीर्ष पर स्थित शांति स्तूप अद्‌भुत दृश्य प्रदान करता है। यहाँ से चारों ओर पहाड़ियाँ दिखाई पड़ती हैं। शिक्षक ने मगध के राजा अजातशत्रु और बुद्ध के बारे में भी कुछ प्रचलित कथाएँ सुनाईं।

राजगीर से चलकर बच्चे 3 बजे अपराह्न नालंदा पहुँचे। रास्ते में ही शिक्षक ने बच्चों के लिए खाजा मिठाई खरीदी। नालंदा में 5वीं सदी में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर

चित्र 9.4 नालंदा विश्वविद्यालय (नालंदा)

अवशेष रूप में हैं। यह विश्वविद्यालय ज्ञान–विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में विख्यात था। यहाँ नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा होती थी। देश–विदेश से लगभग 10 हजार छात्र

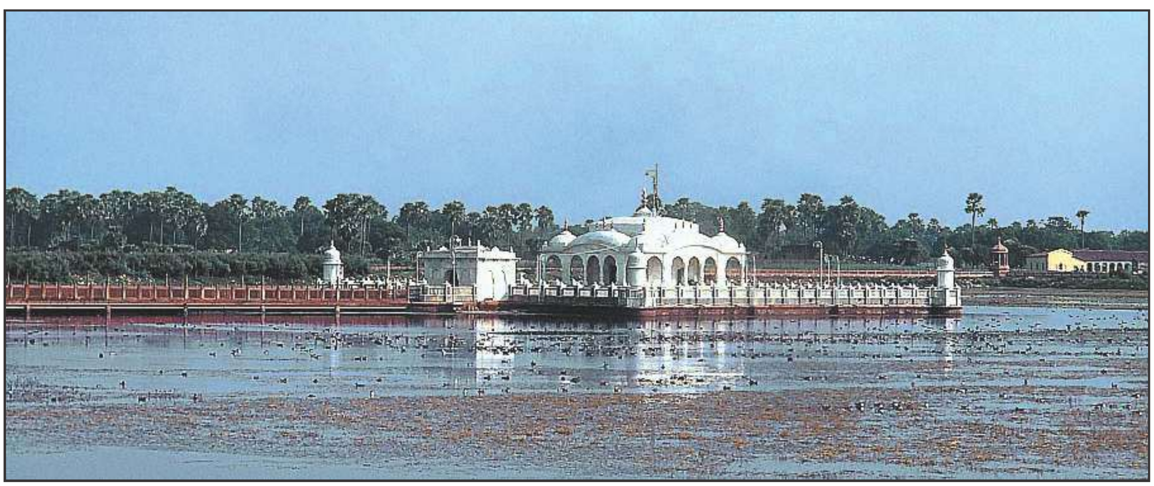

चित्र 9.5 जल मंदिर (पावापुरी)

यहाँ रहकर अध्ययन करते थे। बच्चों ने पुस्तकालय, छात्रावास को देखा। यहीं पर एक संग्रहालय में कई दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ और मूर्त्तियाँ देखीं। कुछेक बच्चों ने किताबें भी खरीदीं।

यहाँ से सब पावापुरी स्थित जलमंदिर देखने पहुँचे। तालाब के बीचो–बीच स्थित जलमंदिर में भगवान महावीर के दर्शन किए। तालाब में मछलियों और कमल के फूल प्राकृतिक रूप से मंदिर की शोभा बढ़ा रहे थे। यही वह जगह है जहाँ भगवान महावीर ने शरीर त्यागकर महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था।

अपने विद्यालय से इन दर्शनीय स्थलों तक पहुँचने के सड़क मार्ग और रेल मार्ग का पता कीजिए तथा एक रूट चार्ट बनाइये।

शाम घिर आई थी। अतः सभी बच्चे बस में सवार होकर घर लौटने लगे। शिक्षक ने बताया कि बगल में ही नवादा जिला है, जहाँ का ककोलत जलप्रपात अपने ठंडे जल के लिए प्रसिद्ध है। यह एक मनोरम प्राकृतिक स्थल है। समयाभाव के कारण हम लोग वहाँ नहीं जा सके। सभी बच्चे देर रात तक अपने–अपने घर पहुँच गए।

अभ्यास

1. सही विकल्प को चुनें।

(i) गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कहाँ हुई थी?

(क) पावापुरी (ख) वैशाली

(ग) बोधगया (घ) सासाराम

(ii) गया में अवस्थित विष्णुपद मंदिर किसने बनवाया था?

(क) रानी अहिल्या बाई (ख) अजातशत्रु

(ग) अशोक (घ) जरसंध

(iii) बिहार में गर्म जलकुंड कहाँ अवस्थित है?

(क) पावापुरी (ख) राजगीर

(ग) गया (घ) चाँदचारा

(iv) ककोलत प्रसिद्ध है–

(क) ठंडे जल के लिए (ख) गर्म जल के लिए

(ग) मंदिरों के लिए (घ) घाटों के लिए

(v) जरासंध का अखाड़ा अवस्थित है–

(क) राजगीर में (ख) नालंदा में

(ग) बोधगया में (घ) वैशाली में

2. खाली जगहों को भरिए।

(i) पितृ पक्ष का मेला........................पक्ष में लगता है।

(ii) महाबोधि मंदिर के निकट........................सरोवर है।

(iii) पावापुरी में........................मंदिर है।

(iv) महावीर ने........................में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था।

(v) नालंदा विश्वविद्यालय........................का अंतरराष्ट्रीय केन्द्र था।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

(i) बोधगया क्यों प्रसिद्ध है?

(ii) अपने स्कूल से आप राजगीर जायेंगे तो रास्ते में आपको क्या–क्या नजर आएगा?

(iii) विष्णुपुद मंदिर का निर्माण किसने करवाया था? इसमें किस तरह के पत्थरों का उपयोग किया गया है?

(iv) राजगीर में गर्म जल कुंड है। क्यों?

(v) जलमंदिर कहाँ है और क्यों प्रसिद्ध है?

4. सही मिलान करें।

(i)	मुचलिंद सरोवर	(क)	नवादा जिला
(ii)	रानी अहिल्या बाई	(ख)	राजगीर की पहाड़ी
(iii)	शांतिस्तूप	(ग)	विष्णुपद मंदिर
(iv)	ककोलत जल प्रपात	(घ)	बोध गया